TIMES OF INDIA, Delhi, 23.6.2021
Page No. 10, Size:(5.13)cms X (10.52)cms.

World's first Green rating system for HSR

Indian Green Building Council (IGBC) in collaboration with National High Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL) has undertaken the formulation of world's first exclusive Green rating system for High Speed Rail. This rating system will be a tool to enable new High Speed Rail (HSR) stations to apply energy efficient concepts during design and construction, so as to further reduce adverse environmental impacts that are measurable. The objective is to ensure environmental sustainability, while enhancing commuter experience. V Suresh (Chairperson IGBC), Achal Khare (MD

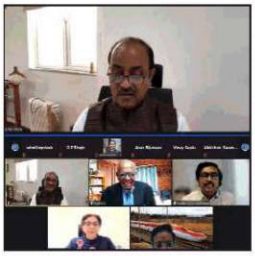

NHSRCL), all directors along with senior officials from NHSRCL & IGBC attended the virtual conference for the launch of the Green High Speed Rail Rating. On the Occasion, NHSRCL MD Achal Khare said "This exclusive green rating program for High Speed Rail (HSR) developed by CII-IGBC would help NHSRCL to ensure adoption of unique and futuristic green concepts during designing, construction and operations phases of Mumbai-Ahmedabad HSR corridor."

AMAR UJALA, Delhi, 23.6.2021
Page No. 8, Size:(20.07)cms X (11.30)cms.

हर तरह से हरित होगा बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट

हाई स्पीड रेल के लिए देश को दुनिया की पहली विशेष ग्रीन रेटिंग प्रणाली तैयार करने का गौरव

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट हर तरह से हरित होगा। इस प्रोजेक्ट को पूरी तरह से पर्यावरण फ्रेंडली बनाया जा रहा है। भारत को हाई स्पीड रेल के लिए दुनिया की पहली विशेष ग्रीन रेटिंग प्रणाली तैयार करने का गौरव भी प्राप्त है। इससे पहले किसी देश ने इस तरह की रेटिंग अभी तक तय नहीं की है।

इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल और नेशनल हाई स्पीड रेल कारपोरेशन लिमिटेड के सहयोग से रेटिंग तैयार की गई है। इसके लिए

जो मानक तैयार किए गए हैं, उस मानक पर पहले से ही अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट दौड़ रहा है। हाई स्पीड रेल कॉरिडोर में बुलेट ट्रेन पर्यावरण के ट्रैक से होकर चलेगी। अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के बीच हरियाली को बढ़ावा दिया जा रहा है। स्टेशनों के डिजाइन और निर्माण के दौरान पर्यावरण और अक्षय उर्जा श्रोत का खास ध्यान रखा जा रहा है। भारतीय उद्योग परिसंघ भी इस मुहिम में सहयोग करेगा।

ग्रीन स्टेशन बिल्डिंग निर्माण के लिए प्राकृतिक प्रकाश से रोशन करने की तकनीक पर काम चल रहा है। इसमें 75 फीसदी प्रकाश वेंटिलेशन के माध्यम से प्राकृतिक होगा। शाम ढलते ही सौर ऊर्जा से स्टेशन, परिसर और पूरे रेल ट्रैक को रोशन किया जाएगा। इंटरमॉडल कंप्यूटर परिवहन की सुविधा के लिए स्टेशनों को परिवहन के अन्य साधनों के साथ एकीकृत किया जाएगा। हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के सीएमडी अचल खरे के अनुसार, हाई स्पीड रेल अहमदाबाद-मुंबई के लिए पहले से कोई रेटिंग सिस्टम नहीं था। विश्व में पहली बार इस तरह का सिस्टम विकसित किया गया है।

हालांकि, इस तरह का पैरामीटर पहले से ही बुलेट प्रोजेक्ट में अपनाया जा रहा है। सभी डिपो में वाटर कंजर्वेशन, रेन वाटर हार्वेस्टिंग तकनीक आधारित तैयार किया गया है। कंस्ट्रक्शन मैटेरियल से भी पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचेगा। क्योंकि, सभी मैटेरियल पर्यावरण फ्रेंडली इस्तेमाल किया जा रहा है।